श्री अन्न समाचार पत्र

हैदराबाद, सोलापुर, बाड़मेर, वरंगल

अंक - 266 दिसंबर , 2025

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद -500 030.

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में किसान सम्मान दिवस समारोह

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर कि सानों को सम्मान देने हेतु भाकृअनुप की देशव्यापी पहल के भाग के रूप में 23 दिसंबर 2025 को अपने परिसर में किसान सम्मान दिवस मनाया। इस कार्यक्रम का मुख्य केंद्र किसानों एवं हितधारकों के बीच विकसित

भारत - रोजगार तथा आजीविका मिशन (ग्रामीण) बिल, 2025 (जी राम जी बिल, 2025) के बारे में जागरूकता पैदा करना था, जिसका उद्देश्य प्रमुख मौसम में खेती कार्यों में सहायता करते हुए, रोजगार के बेहतर अवसर तथा आय में स्थिरता लाकर ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करना है। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने सभा को संबोधित करते हुए, राष्ट्र-निर्माण में किसानों की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला तथा सूखे एवं वर्षा आधारित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त जलवायु - लचीले,पोषण से भरपूर फसलों के रूप में 'श्री अन्न' के महत्व पर बल दिया। उन्होंने किसानों को आय तथा आजीविका सुरक्षा बढ़ाने के लिए बेहतर श्री अन्न उत्पादन प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक कटाई उपारंत प्रबंधन तथा मूल्यवर्धन के अंगीकरण हेतु प्रेरित किया। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के वैज्ञानिकों ने किसानों से चर्चा की और श्री अन्न मूल्य शृंखला में संस्थान की पहलों के बारे में बताया। न्यूट्रीहब और श्री अन्न प्रसंस्करण तथा प्रशिक्ष ण एकक के दौरे से सहभागियों को मॉडर्न प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, पैकेजिग और उद्यम विकास के संबधी में ज्ञानवर्धन हुआ। कार्यक्रम में संगारेड्डी ज़िले के किसानों सहित लगभग 250 हितधा रकों ने भाग लिया तथा कार्यक्रम की सराहना की। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के द्वारा *'श्री अन्न' के रूप में मिलेट को बढ़ावा* देने एवं किसान-केंद्रित, सतत खेती के विकास को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को सुनिश्चित किया गया।

आदिवासी किसानों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

क. महाराष्ट्र के नंदुरबार ज़िले के आदिवासी किसानों ने, संस्थान में श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र के टीएसपी के अंतर्गत 9-12 दिसंबर 2025 के दौरान आयोजित चार दिवसीय गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम आदिवासी किसानों की तकनीकी कौशल बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया था, ता कि उन्हें बेहतर श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन तथा उद्यमिता विकास प्रौद्योगिकियों के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्रदान की जा सके। इस कार्यक्रम से कुल 25 आदिवासी किसानों को लाभ मिला। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने इसका उद्घाटन किया, तथा उन्होंने आदिवासी वर्षा आधारित क्षेत्रों में पोषण सुरक्षा, जलवायु लचीले एवं सतत आजीविका में श्री अन्न के महत्व पर प्रकाश डाला। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों के तकनीकी कौशल बढ़ाने पर केंद्रित था। इसमें श्री अन्न उत्पादन के वैज्ञानिक तरीके - उपयुक्त फसलें एवं बेहतर किस्में, बीज तथा मृदा प्रबंधन, और मौसम के अनुसार खेती शामिल थे। सहभागियों को फसल कटाई उपरांत प्रबंधन एवं प्राथमिक प्रसं स्करण प्रौद्योगिकी, जैसेकि सफाई,

श्रेणीकरण, डीहलन, पिसाई, तथा लघु पैमाने पर, किसान-सहयोगी मशीनों का उपयोग करके सुरक्षित भंडारण के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी गई। श्री अन्न मूल्यवर्धन और उद्यमिता विकास पर विशेष बल दिया गया। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक और नोडल अधिकारी, टीएसपी- जीसीओई ने डॉ. ए कलैसेकर, श्री के श्रीनिवास बाबू तथा किउसं-नेस्ट दल के तकनीकी सहयोग से इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

ख . भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा प्रवर्तित आंध्र प्रदेश के आदिवासी किउसं के लिए 3-5 दिसंबर 2025 के दौरान लांबसिंगी में टीएसपी के अंतर्गत तीन दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी महिला किसानों और किउसं के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ , स्थानीय स्तर पर उपलब्ध उपज एवं श्री अन्न मूल्यवर्धन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग तथा बाजार तैयारी में व्यावहारिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना था। प्रशिक्षण में अचार, कटहल से बने उत्पाद तथा श्री अन्न निर्मित विविध उत्पाद - जैसे लड्डू, स्नैक्स, इंस्टेंट मिश्रण तथा पारंपरिक उत्पाद बनाना शामिल था। इस कार्यक्रम में मानक ढंग से बनाने के तरीकों, स्वस्थ एवं खाद्य संरक्षा कार्यों, कच्चे माल के सही उपयोग तथा उत्पाद की गुणता एवं सुरक्षण अवधि को बेहतर बनाने की तकनीक पर बल दिया गया। कार्यक्रम में उत्पाद निर्माण के अलावा प्राथमिक प्रसंस्करण के विशेष पहलुओं, जैसे श्री अन्न की सफाई, श्रेणीकरण तथा पिसाई पर भी ध्यान दिया गया, जिससे सहभागियों को पूरी प्रसंस्करण कार्य -प्रणाली समझने में सहोयता मिली। सहभागियों को किउसं के नेतृत्व वाले सामूहिक प्रसंस्करण और विपणन के महत्व के बारे में भी बताया गया, जिससे लागत कम तथा सौदेबाजी शक्ति बढ़ती है और लगातार आय के अवसर मिलते हैं। डॉ. संगप्पा ने श्री के श्रीनिवास बाबू तथा डॉ. रफी, एवं संसाधन व्यक्ति डॉ. बी सुनीता, श्रीमती चंद्रिका, श्रीमती इंदिरा, और श्रीमती रूथु की सहायता से कार्यक्रम का समन्वय किया। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा प्रवर्तित गिरिसिरी किउसं, श्री अल्लूरी किउसं, और श्री मत्स्यदेवता किउसं की महिला किसानों और किउसं के सदस्यों ने प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से भाग लिया।

ग. भाकृअनुप-कृषि विज्ञान केंद्र, बनवासी के सहयोग से श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र के टीएसपी के अंतर्गत जनजातीय किसानों के बीच जलवायु-लचीली कृषि और स्थायी आजीविका वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए, पट्टीकोंडा के जनजातीय किसानों के लिए 16-18 दिसंबर 2025 के दौरान "श्री अन्न-आधारित प्रौद्योगिकियां" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का प्रयोजन आंध्र प्रदेश के कर्नूल ज़िले के पट्टीकोंडा क्षेत्र के आदिवासी किसानों को लक्ष्य करना था, ताकि श्री अन्न-आधारित खेती प्रणाली में उनके तकनीकी कौशल, मूल्य-शृंखला जागरूकता एवं उद्यमिता को सुदृढ़ किया जा सके। निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा दो किसान उत्पादक संगठनों (किउसं) का प्रतिनिधित्व करने वाले 28 आदिवासी किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रशिक्षण में बीज से बाज़ार तक कार्य-प्रणाली पर ध्यान दिया गया, जिसमें बेहतर श्री अन्न उत्पादन प्रौद्योगिकी, कटाई उपरांत प्रबंधन, प्राथमिक प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन शामिल थे। मूल्यवर्धन और उत्पाद विविधिकरण पर विशेष बल दिया गया, जिसमें इंस्टेंट श्री अन्न मिश्रण, भाकरी, बिस्कुट, कुकीज़, पास्ता, सेंवई, नूडल्स, कप केक और ब्रेड बनाने के व्यावहारिक प्रदर्शन भी शामिल थे, जिससे किसान घरेलू छोटे पैमाने पर श्री अन्न-आधारित उद्यमों की जानकारी प्राप्त कर सके। डॉ. संगप्पा ने डॉ. ए कलैसेकर, श्री के श्रीनिवास बाबू तथा किउसं-नेस्ट दल के तकनीकी सहयोग से इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

प्रगतिशील किसानों का ज्ञानवर्धन दौरा

तमिलनाडु के धर्मपुरी ज़िले के सिट्टेरी गांव के 22 प्रगतिशील किसानों ने ज्ञानवर्धन और कौशल विकास कार्यक्रम के भाग के रूप में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद स्थित श्री अन्न प्रसंस्करण और प्रशिक्षण एकक का दौरा किया। इस दौरे का प्रयोजन किसानों को श्री अन्न प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और उद्यम विकास के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराना था। किसानों को कच्चे अनाज की देखरेख से लेकर तैयार उत्पाद तक, श्री अन्न प्रसंस्करण की संपूर्ण कार्य -प्रणाली के बारे में जानकारी दी गई। छोटे स्तर की मशीनों के प्रत्यक्ष प्रदर्शन से सहभागियों को गांव तथा किउसं -स्तर के प्रचालन हेतु प्रसंस्करण एकक की तकनीकी आवश्यकताओं, दक्षता एवं उपयुक्तता को समझने में सहायता मिली। चर्चा में कटाई उपरांत क्षति को कम करने, उत्पाद की गुणता सुधारने और स्थानीय प्रसंस्करण के माध्यम ज़्यादा आय प्राप्त करने पर ध्यान दिया गया। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने उक्त दौरे का समन्वय किया।

श्री अन्न मूल्यवर्धन पर उन्नत प्रशिक्षण

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने श्री अन्न उत्पादन को आगे बढ़ाकर लाभप्रद व्यवसाय बनाने के उद्देश्य से, ओडिशा के 25 कृषि अधिकारियों और किउसं के प्रतिनिधियों के लिए "श्री अन्न-आधारित मूल्यवर्धन और उत्पाद विकास" पर चार दिवसीय का उन्नत क्षमता-निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भाग लेने वालों को श्री अन्न को मार्केट-रेडी उत्पाद और व्यवहार्य व्यवसाय में बदलने हेतु अपेक्षित जानकारी तथा व्यावहारिक कौशल प्रदान किया गया। डॉ. संगप्पा ने श्री के श्रीनिवास बाबू तथा किउसं-नेस्ट दल के तकनीकी सहयोग से इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत "प्लास्टिक को ना कहें" अभियान

स्वच्छता पखवाड़ा के भाग के रूप में, "प्लास्टिक को ना कहें" पर बल देते हुए 22 दिसंबर 2025 को हैदराबाद के राजेंद्रनगर में सामुदायिक भागीदारी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें गांधीनगर के 20 सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय स्तर पर प्लास्टिक का उपयोग कम क रने और साफ़-सफ़ाई तथा पर्यावरण अनुकूल तरीकों को बढ़ावा देने के बारे में जागरूकता फैलाना था। इस पहल में एकल प्रयुक्त प्लास्टिक का उपयोग कम करने, सतत विकल्प अ पनाने और आस-पास साफ़-सफाई तथा प्लास्टिक-मुक्त बनाए रखने के महत्व पर बल दिया गया। सहभागियों को प्लास्टिक प्रदूषण के पर्यावरिक और लोगों के स्वास्थ्य पर बुरे प्रभाव के बारे में जागरूक किया गया, ताकि स्वच्छता पखवाड़ा के मुख्य उद्देश्य को सुदृढ़ किया जा सके। इस अभियान को अच्छी प्रतिक्रिया मिली, जो समुदाय की मज़बूत भागीदारी तथा सामूहिक दायित्व को दर्शाता है। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं और डॉ. एन कन्नबाबू के मार्गदर्शन में सुश्री उषा सतीजा, श्री नरेश, श्री एन संतोष, श्री राहुल तथा डॉ. संगप्पा ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

श्री अन्न प्रसंस्करण तथा बाजारोन्मुख कार्य एवं प्रक्षेत्र-आधारित शिक्षा

पौष्टिक अनाज-उद्यमिता फाउंडेशन कार्यक्रम के भाग के रूप में, श्री अन्न प्रसंस्करण एकक में 20 दिसंबर 2025 को 22 छात्रों के लिए ज्ञानवर्धन दौरे का आयोजन किया गया। इस दौरे का उद्देश्य श्री अन्न क्षेत्र को अध्ययनकक्ष शिक्षण से समयोचित उद्यमों से जोड़ना था। सहभागियों को भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं एवं इसके प्रवर्तित किउसं द्वारा विकसित श्री अन्न-आधारित मूल्यवर्धित उत्पादों के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें बाजार प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए उत्पाद विविधिकरण, ब्रांडिग और नवोन्मेष पैकेजिग पर विशेष बल दिया गया। ज्ञानवर्धन दौरे के दौरान उद्यम प्रबंधन के बारे में भी बहुमूल्य जानकारी प्रदान की गई, जिसमें उत्पाद प्रस्तुतिकरण, बाजारोन्मुख तथा मूल्य-शृंखला एकीकरण शामिल हैं। डॉ. संगप्पा तथा किउसं नेस्ट दल ने कार्यक्रम को सुकर बनाया।

बांदीपुर, कर्नाटक में श्री अन्न खेती के बेहतर तरीकों पर किसानों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

बाजरे पर अभासअनुप केंद्र, मैसूर विश्वविद्यालय तथा भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), चामराजनगर के साथ मिलकर क्षमता निर्माण पहल के भाग के रूप में अनुसूचित जाति उप योजना तथा जनजातीय उप योजना के अंतर्गत 26 दिसंबर 2025 को बन्नीमरदहट्टी, बांदीपुर, चामराजनगर, कर्नाटक में *श्री अन्न की बेहतर खेती के तरीकों* पर एक प्रशिक्षण तथा आगत वितरण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजित किया।

इसका मुख्य प्रयोजन सतत श्री अन्न की खेती के बारे में किसानों की जानकारी को बढ़ाना और अच्छी गुणतायुक्त आगत तक पहुंच आसान बनाना था। कार्यक्रम में लाभार्थी किसानों, खेतीहर महिलाओं सहित लगभग 50 सहभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। श्री अन्न की बेहतर खेती के तरीकों पर तकनीकी सत्र में जलवायु लचीले तथा श्री अन्न के पौष्टिक महत्व, श्री अन्न के बेहतर किस्म चयन, एवं खेती के सर्वोत्तम तरीकों पर चर्चा की गई। दालों के साथ श्री अन्न की अंतरफसलन, मृदा स्वास्थ्य में सुधार तथा मूल्यवर्धन एवं कटाई उपरांत प्रबंधन के सुअवसरों पर भी बल दिया गया। मैसूर विश्विविद्यालय के विस्तार कार्मिकों तथा अधिकारियों ने भी उक्त कार्यक्र म में प्रशिक्षक के रूप में सेवाएं प्रदान की।

एससीएसपी/टीएसपी के भाग के रूप में, लाभार्थी किसानों को आने वाले मौसम में बताए गए तरीकों के अंगीकरण में सहायता हेतु बेहतर श्री अन्न किस्मों के गुणतायुक्त बीज तथा खेती हेतु अपेक्षित सामग्री वितरित की गई।

आईएआरआई एमयू, हैदराबाद हब के पीएचडी कीटविज्ञान छात्रों हेतु क्रेडिट सेमिनार

भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के सम्मेलन भवन में शैक्षिक वर्ष 2024-25 के पीएच.डी. कीटविज्ञान के छात्रों के लिए 22 दिसंबर 2025 को सफलतापूर्वक क्रेडिट सेमिनार आयोजित किया गया। यह शैक्षणिक गतिविधि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य भाग है, जिसका उद्देश्य छात्रों का ज्ञान, अनुसंधान योग्यता तथा प्रस्तुतिकरण कौशल बढ़ाना था।

कुल 4 छात्रों ने कीटविज्ञान क्षेत्र में उभरते विषय पर प्रस्तुतिकरण दिए। संगोष्ठी ने छात्रों को कीट-पीड़क प्रबंधन में हाल की प्रगति, नवोन्मेष तथा उनके संभावित उपयोग को जानने एवं चर्चा के लिए एक मंच प्रदान किया।

क्रेडिट सेमिनार का आयोजन संगोष्ठी समन्वयकों - डॉ पी जी पद्मजा, प्रधान वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं, डॉ गुरु प्रसन्ना, प्रधान वैज्ञानिक, रापाआसंब्यू और डॉ. भूपति, प्रमुख वैज्ञानिक, भातिअनुसं तथा अनुशासन समन्वयक डॉ. जी श्याम प्रसाद, प्रधान वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं के द्वारा किया गया। तथा इसमें हैदराबाद हब के संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और विभाग के छात्रों ने भाग लिया।

स्वच्छता जागरूकता सप्ताह (स्वच्छता पखवाड़ा 2025)

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 16-31 दिसंबर 2025 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा 2025 मनाया जाएगा। इस

कार्यक्रम का उद्देश्य सफाई, स्वच्छता, पर्यावरणीय स्थिरता तथा सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना है।

स्वच्छता शपथ के साथ 16 दिसंबर 2025 को स्वच्छता पखवाड़े का शुभारंभ हुआ, जिसमें कार्मिको ने कार्यस्थल तथा सार्वजनिक स्थलों पर सफाई बनाए रखने की शपथ ली। पखवाड़े के दौरान कई गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें कार्यालय सफाई अभियान, तथा रिकॉर्ड की छंटनी, स्क्रैप और ई-अपशिष्ट का निपटान, वृक्षारोपण कार्यक्रम, प्लॉगिग /वॉकथॉन, कचरा अलग करने तथा पुनःचक्रण के बारे में जागरूकता, "प्लास्टिक को ना कहें" अभियान, एवं आस-पास की आवासीय कॉलोनियों तथा गांवों में समुदाय लोक-संपर्क कार्यक्रम शामिल थे।

मीडिया के साथ चर्चा के पश्चात स्वच्छता पखवाड़े का समापन हुआ, जिसमें पखवाड़े के दौरान आयोजित विविध गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। संस्थान के कार्मिको एवं हितधारको की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

छात्र उपलब्धि

डॉ. पी जी पद्मजा के मार्गदर्शन में स्नातकोत्तर कीटविज्ञान की छात्रा सुश्री पी शर्मिला ने ऑनलाइन मौखिक प्रस्तुति में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

उन्हें यह पुरस्कार "फॉल आर्मीवर्म (स्पोडोप्टेरा) के ओविपोजिशन वरीयता" शीर्षक प्रस्तुति के लिए दिया गया। कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय (यूएएस), रायचूर, कर्नाटक द्वारा 30 दिसंबर 2025 को आयोजित कृषि, पशु चिकित्सा और संबद्ध विज्ञान में सतत नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "श्री अन्न में फ्रुजीपरडा (फ्रुजीपरडा)" पर चर्चा की गई।

बैठकों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में सहभागिता

नाम	शीर्षक (अगर प्रपत्रादि प्रस्तुत किया गया है तो शीर्षक)	आयोजक	स्थल	ऑनलाइन/प्रत्यक्ष	तिथि
डॉ. सी तारा सत्यवती	टीसीपी/आरएएस/3909 परियोजना (टीआरपीटीआरडब्ल्यू) की क्षेत्रीय परियोजना टर्मिनल समीक्षा तथा "एशिया में खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए श्री अन्न के सतत मूल्य शृंखला विकास पर क्षमता बढ़ाना" नामक कार्यशाला	खाद्य एवं कृषि संगठन	सुकोसोल होटल, बैंकॉक, थाईलैंड	प्रत्यक्ष	4-5 दिसंबर 2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट 2025	तेलंगाना सरकार	भारत फ्यूचर सिटी, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	08 दिसंबर 2025
डॉ. संगप्पा	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एसआईएवीएएस -2025	यूएएस रायचूर तथा एनएडीसीएल	यूएएस, रायचूर	प्रत्यक्ष	29-31 दिसंबर 25

प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रशिक्षण शीर्षक	तिथि	अवधि (दिनों में)	सहभागियों की संख्या	सहभागियों का वर्ग (भाकृअनुप कार्मिक, उद्यमी, किसान, छात्र आदि)
जीसीओई के टीएसपी घटक के अंतर्गत श्री अन्न मूल्यवर्धन और कटहल प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	4-6 दिसंबर 2025	3 दिन	45	आदिवासी किसान, किउसं, एसएचजी
नंदुरबार के आदिवासी किसानो के लिए श्री अन्न आधारित प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	9-12 दिसंबर 2025	4 दिन	21	आदिवासी किसान, किउसं, एसएचजी
श्री अन्न आधारित मूल्यवर्धन और उत्पाद विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	9-12 दिसंबर 2025	4 दिन	25	सहायक कृषि अधिकारी, किउसं सदस्य, एसएचजी, कृषि उद्यमी
आंध्र प्रदेश के पट्टिकोंडा के आदिवासी किसानों के लिए श्री अन्न आधारित प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	16-18 दिसंबर 2025	3 दिन	23	आदिवासी किसान, किउसं
एससीएसपी के अंतर्गत "रबी सोरघम में उत्पादन, संरक्षण, कटाई उपरांत प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन"	18 दिसंबर 2025	1 दिन	25	किसान (एससी)

समझौते ज्ञापन

समझौता तिथि	अन्य पक्ष/ लाइसेंसधारी	समझौते ज्ञापन / करार ज्ञापन का प्रयोजन	हस्ताक्षरकर्ता प्राधिकरण		साक्ष्य
			भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं	अन्य पक्ष	
02.12.2025	दुर्गी फूड्स, हैदराबाद	1 श्री अन्न मूल्यवर्धित प्रौद्योगिकी अर्थात रागी नट डिलाइट बार हेतु लाइसेंस	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	श्री दुर्गी वामशी, प्रबंध निदेशक	डॉ. जे स्टेनली
11.12.2025	आईसीआईसीआई फाउंडेशन	सहयोगात्मक अनुसंधान	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	श्री वेंकटेश बी के, संचालन प्रमुख	डॉ. अमसिद्ध बी
12.12.2025	विज्ञान फाउंडेशन फॉर साइंस, प्रौद्योगिकी एंड रिसर्च, आंध्र प्रदेश	छात्र प्रशिक्षण के लिए सहयोगी अनुसंधान (स्नातकोत्तर अनुसंधान एवं पीएच.जडी.)	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	डॉ. पी एम वी राव, रजिस्ट्रार	डॉ. अमसिद्ध बी
18.12.2025	कृषि विद्यालय, गांधी इंजीनियरिग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, ओडिशा	छात्र की प्रशिक्षण और विस्तार गतिविधियों के लिए सहयोगी अनुसंधान	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	डॉ. वी एस देवदास, डीन	डॉ. अमसिद्ध बी

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

बाजरा, ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053

दूरभाष : 040-24599300 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

संकलन एवं संपादन

डॉ. महेश कुमार, डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. वी वेंकटेश भट

फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा

एच एस गावली

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक

निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला (भाश्रीअनुसं)
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएयएयू) मुतुगू रोड़, वरंगल

क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान
ई-मेल : barmer@millets.res.in